कृषि निदेशक ने समझाया पराली निस्तारण प्रबंधन

रेहड़ | संवाददाता

कृषि निदेशक ने क्षेत्र का दौरा कर कंवाइन मशीन में लगी सुपर स्ट्रा मेनैजमेन्ट सिस्टम व पराली को नष्ट करने के उपाय के बारे विस्तार से जानकारी दी। किसानों ने विभिन्न समस्याओं के समाधान को ज्ञापन सौंपा।

बढ़ते प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिये एनजीटी द्वारा फसलों के अवशेष जलाने पर लगायी गयी रोक के बारे मे कृषि निदेशक ने क्षेत्र मे दौरा कर किसानों को आदेश का पालन करने की अपील की। साथ ही धान की कटाई कंवाइन मशीन से करने की सलाह दी मशीन।

क्षेत्र के ग्राम कल्लूवाला में मलकीत सिंह के खेत पर उत्तर प्रदेश के कृषि निदेशक ए. पी श्रीवास्तव ने पहुंचकर एस एम एस सुपर स्ट्रॉ मैनजमेंट सिस्टम के बारे में बताया कि कंवाइन मशीन में लगाया गया उक्त सिस्टम धान की कटाई करते समय पराली को एस एम एस के द्वारा बारीक़ी से काटती है जो आसानी से गल जाती है। इस विधि से फसल की कटाई करने मे खेत की जुताई करने मे कोई समस्या भी नही आती हैं।

कल्लूवाला में सुपर स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के बारे मे जानकारी देते कृषि निदेशक।

कृषि निदेशक से ग्रामीण मलकीत सिंह, नरेंद्र पाल सिंह, गुरनाम सिंह,प्रकाश सिंह आदि ने एक ज्ञापन देकर मांग की कि दूसरे धानो के तरह ही कम्पैन मशीन के धान को भी वरीयता से खरीदा जाये। कम्पैन मशीन से काटे गये धान को धान क्रय केंद्र व व्यापारी खरीदने मे आना कानी करते हैं जिससे किसानों को अपना सस्ते में बेचना पड़ता है। पराली जो के चारा के काम आता है किसानों को नही मिल पाती। कृषि निदेशक ने बताया अगर किसी किसान को पशुओं के लिए पराली की जरूरत है तो वह कृषि विभाग में एक फार्म भर कर उसे कृषि विभाग देना होगा। पशुओं के लिए पराली बना सकता है।